University in News on 09 January 2025

JAGRAN CITY PAGE III

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

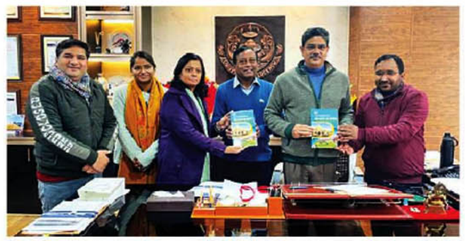

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता एवं विभाग के शिक्षकों की ओर से संपादित किताब का विमोचन किया • लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता एवं विभाग के शिक्षकों की ओर से संपादित किताब 'समकालीन न्याय के सिद्धांतों पर विमर्श : जान राल्स के विचारों के विशेष संदर्भ में' का विमोचन किया।

इस अवसर पर शिक्षक डा. जितेंद्र शुक्ला, डा. राजीव सागर, डा. दिनेश कुमार, डा. अमानिका और डा. माधुरी भी उपस्थित रहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने बताया कि यह संपादित खंड राल्स के योगदानों का पता लगाने, उनकी आलोचना करने और उनका विस्तार करने का प्रयास करता है, जो हमारे आधुनिक विश्व में न्याय की जटिलताओं को संबोधित करने वाले दृष्टिकोणों की एक समृद्ध ताने-बाने की पेशकश करता है।

एलयू में कैशलेस इलाज को मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों को अब कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय के 104 वर्षों के इतिहास में लंबे समय से शिक्षक और कर्मचारी संघ इसकी मांग कर रहे थे। जिसे बुधवार को मंथन हॉल में कुलपति की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीमा के लिए प्रीमियम राशि विश्वविद्यालय वहन करेगा। जिससे सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को विभिन्न चिकित्सा उपचारों के लिए चिकित्सा व्यय कवरेज के रूप में चार लाख रुपए तक का लाभ मिलेगा।

शिक्षकों व कर्मचारियों को चार लाख रुपये तक कैशलेस इलाज

- लवि में हुई वित्त समिति की बैठक में प्रस्ताव को मिली मंजूरी
- कर्मचारियों को कवरेज के रूप में चार लाख तक का लाभ मिलेगा

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षकों और कर्मचारियों को पहली बार कैशलेस इलाज की सुविधा देकर बड़ी मांग पूरी कर दी है।

इसके तहत अब शिक्षकों, कर्मचारियों एवं उनके जीवनसाथी को कैशलेस ग्रुप मेडी क्लेम पालिसी से चार लाख रुपये तक कैशलेस चिकित्सा का लाभ मिल सकेगा। बुधवार को वित्त समिति की बैठक में इसका प्रस्ताव पास हो गया। खास बात यह है कि यह प्रीमियम राशि विश्वविद्यालय वहन करेगा। अब आगामी कार्य परिषद की बैठक से अनुमति मिलने के बाद यह सुविधा लागू हो जाएगी।

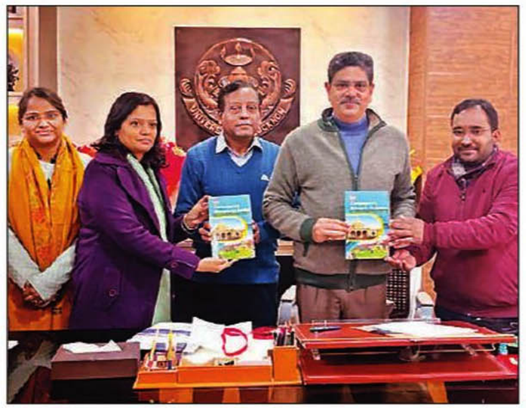

दरअसल, लवि में 1,100 कर्मचारी एवं 400 शिक्षक कार्यरत हैं। अभी तक विश्वविद्यालय सिर्फ दवाओं के लिए इन सभी को दस हजार रुपये सालाना की प्रतिपूर्ति देता था। इसे लिए कैशलेस इलाज की सुविधा की मांग काफी समय से की जा रही थी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब शिक्षकों एवं कर्मचारियों को विभिन्न चिकित्सा उपचारों के लिए चिकित्सा व्यय के कवरेज के रूप में चार लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा।

इससे लगभग 1,100 कर्मचारी और 400 शिक्षकों (पति अथवा पत्नी सहित) को यह फायदा होगा। वित्त समिति की बैठम में प्रस्ताव पास होने के बाद लवि शिक्षक संघ और लवि कर्मचारी परिषद ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को धन्यवाददिया।

बीपीए की परीक्षाएं 20 से, समय सारिणी जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बिरजू महाराज कथक संस्थान में संचालित बीपीए सातवें सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षाएं 20 से 22 जनवरी तक संचालित होंगी। इनमें कथक, वोकल और तबला प्रोग्राम शामिल है। विस्तृत समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ से डाउनलोड की जा सकती है। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में एमएड परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत एमएड पाठ्यक्रम की परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। परीक्षार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा सेक्शन में जाकर सूची देख सकते हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने इस बाबत जानकारी दी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय। अमृत विचार

रॉल्स के सिद्धांत पर लिखी पुस्तक का हुआ विमोचन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : न्याय की खोज मानव समाज की आधारशिला संस्कृतियों और युगों से परे है। न्याय की प्रकृति के बारे में जॉन रॉल्स का सिद्धांत समकालीन चर्चाओं में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

इसी विषय को लेकर लिखित पुस्तक का विमोचन लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय ने किया। पुस्तक का उद्देश्य वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य के भीतर रॉल्सियन सिद्धांत को प्रासंगिक बनाना है।

आर्थिक असमानता, प्रणालीगत नस्लवाद और वैश्विक जलवायु संकट जैसे विषयों की जांच इन आधुनिक चुनौतियों का समाधान करने में रॉल्सियन न्याय की प्रयोज्यता और मजबूती का आंकलन करने के लिए की जाती है।

i-NEXT PAGE 5

कल तक जमा करें सेमेस्टर फीस

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने आनलाइन बीकाम और एमकाम दूसरे सेमेस्टर कोर्स के स्टूडेंट्स को 10 जनवरी तक फीस जमा करने का समय दिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर सूचना जारी की गई है। इनकी सेमेस्टर परीक्षाएं फरवरी में कराने की योजना है।

4 लाख तक कैशलेस इलाज

LUCKNOW (8 JAN): लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षकों और कर्मचारियों को पहली बार कैशलेस इलाज की सुविधा देकर बड़ी मांग पूरी कर दी है. इसके तहत अब शिक्षकों, कर्मचारियों एवं उनके जीवनसाथी को कैशलेस ग्रुप मेडी क्लेम पालिसी से चार लाख रुपये तक कैशलेस चिकित्सा का लाभ मिल सकेगा. बुधवार को वित्त समिति की बैठक में इसका प्रस्ताव पास हो गया. खास बात यह है कि यह प्रीमियम राशि विश्वविद्यालय वहन करेगा. अब आगामी कार्य परिषद की बैठक से अनुमति मिलने के बाद यह सुविधा लागू हो जाएगी. दरअसल, एलयू में 1,100 कर्मचारी एवं 400 शिक्षक कार्यरत हैं. अभी तक विश्वविद्यालय सिर्फ दवाओं के लिए इन सभी को दस हजार रुपये सालाना की प्रतिपूर्ति देता था. इसे लिए कैशलेस इलाज की सुविधा की मांग काफी समय से की जा रही थी.

लविवि के कर्मचारियों को मिली चिकित्सा सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों (शिक्षक और गैर-शिक्षक) को कैशलेस ग्रुप मेडी क्लेम पॉलिसी के अंतर्गत कैशलेस चिकित्सा लाभ अब मिलेगा। बीमा के लिए प्रीमियम राशि विश्वविद्यालय द्वारा वहन की जाएगी और कर्मचारियों को चिकित्सा उपचारों के लिए चिकित्सा व्यय के कवरेज के रूप में 4 लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा। इससे पहले विश्वविद्यालय द्वारा केवल दवाओं के लिए एक वर्ष के दौरान केवल दस हजार रुपये प्रतिपूर्ति की जाती थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में यह पहल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व शिक्षकों के कल्याण और खुशहाली की दिशा में पहली बार की गई है। इससे लगभग 1100 कर्मचारी और 400 शिक्षकों को सपरिवार लाभ मिलेगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

कुलपति ने न्याय पर समकालीन प्रवचन पुस्तक का किया विमोचन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। न्याय की खोज एक कालातीत और सार्वभौमिक प्रयास है, मानव समाज की आधारशिला है जो संस्कृतियों और युगों से परे है। न्याय की प्रकृति के बारे में असंख्य दार्शनिक जांचों में से, जॉन रॉल्स का सिद्धांत समकालीन चर्चाओं में संदर्भ के एक महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में खड़ा है। 1971 में प्रकाशित उनकी अभूतपूर्व कृति, ए थ्योरी ऑफ़ जस्टिस ने निष्पक्षता और समानता की अवधारणा के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश करके राजनीतिक दर्शन के परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया। यह संपादित खंड, न्याय पर समकालीन प्रवचनः न्याय के रॉल्सियन सिद्धांत के विशेष संदर्भ के साथ रॉल्स के योगदानों का पता लगाने, उनकी आलोचना करने और उनका विस्तार करने का प्रयास करता है, जो हमारे आधुनिक विश्व में न्याय की जटिलताओं को संबोधित करने वाले दृष्टिकोणों की एक समृद्ध तानेबाने की पेशकश करता है। ये बातें,लविवि के कुलपति ने उक्त पुस्तक का विमोचन करते हुए कहीं। रॉल्स का सिद्धांत, न्याय के अपने सिद्धांतों के साथ, मूल स्थिति और अज्ञानता के आवरण के माध्यम से व्यक्त किया गया, एक रूपरेखा का प्रस्ताव करता है जो यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को समाज के सबसे कम सुविधा प्राप्त सदस्यों के लाभ के लिए व्यवस्थित किया जाए। यह खंड रॉल्सियन न्याय के मूलभूत तत्वों की जांच के साथ शुरू होता है, सैद्धांतिक आधार और दार्शनिक कठोरता की खोज करता है जिसने राजनीतिक दर्शन के सिद्धांत में रॉल्स के स्थान को मजबूत किया है। योगदानकर्ता इन मूल अवधारणाओं पर फिर से विचार करते हैं, नई व्याख्याएं और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं जो रॉल्स के विचारों की प्रासंगिकता की पुष्टि करते हैं जबकि आगे के परिशोधन और विकास के क्षेत्रों की पहचान भी करते हैं।

इस पुस्तक का एक मुख्य उद्देश्य वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य के भीतर रॉल्सियन सिद्धांत को प्रासंगिक बनाना है। रॉल्स द्वारा पहली बार अपने सिद्धांतों को व्यक्त करने के बाद से दुनिया में काफी बदलाव आया है और इस पुस्तक के निबंध रॉल्सियन दृष्टिकोण के माध्यम से हमारे समय के दबाव वाले मुद्दों को संबोधित करते हैं।

लविवि कर्मचारियों को पहली बार चिकित्सा सुविधा का लाभ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और शिक्षकों की कैशलेस ग्रुप मेडी क्लेम पॉलिसी से संस्थान के कर्मचारियों एवं उनके जीवनसाथी को कैशलेस चिकित्सा लाभ मिलेगा। जिसमें लविवि के शिक्षक एवं गैर-शिक्षक सेवारत कर्मचारी भी शामिल हैं। बीमा के लिए प्रीमियम राशि विश्वविद्यालय द्वारा वहन की जाएगी तथा कर्मचारी को विभिन्न चिकित्सा उपचारों के लिए चिकित्सा व्यय के रूप में 4 लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा। इससे पहले विश्वविद्यालय द्वारा केवल दवाओं के लिए एक वर्ष के दौरान सिर्फ दस हजार रुपये प्रतिपूर्ति की जाती थी। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के नेतृत्व में यह पहल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शिक्षकों के कल्याण एवं खुशहाली की दिशा में संस्थान के 104वें इतिहास में पहली बार की गई पहल है। इससे करीब 1100 कर्मचारी और 400 शिक्षकों (पति अथवा पत्नी सहित) को लाभ मिलेगा। जिससे उन्हें तत्काल आवश्यकता होने पर समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह सुविधा विश्वविद्यालय अपने स्तर पर उपलब्ध करा रहा है। इस चिकित्सा सुविधा को बुधवार को वित्त समिति से पारित हो जाने पर लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ और कर्मचारी परिषद ने कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को धन्यवाद दिया।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को समकालीन चर्चाओं के संदर्भ में 'जॉन राल्स का सिद्धांत' पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता व अन्य शिक्षकों ने संपादित की है। पुस्ताक संपादन पर कुलपति ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

लविवि : एमएड के लिए परीक्षा केंद्र तय

लखनऊ। लविवि में विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत एमएड कोर्स के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। परीक्षार्थी लविवि की वेबसाइट पर परीक्षा सेक्शन में जाकर सूची देख सकते हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ विवि से संबद्ध पांच जिलों के 19 कॉलेजों में एमएड पाठ्यक्रम संचालित है। इसके लिए 11 परीक्षा केंद्र और तीन नोडल सेंटर बनाए गए हैं। इसी तरह बीपीए और बीएफए पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा केंद्रों की संशोधित सूची जारी की गई है। (संवाद)

लविवि के पूर्व छात्र को दुनिया के 44 शीर्ष शिक्षकों में स्थान

लखनऊ। लखनऊ विवि के विद्यार्थी रहे डॉ. नेहालुद्दीन अहमद को दुनिया के शीर्ष 44 शिक्षकों में से एक घोषित किया गया है। ब्रुनेई दारुस्सलाम में सुल्तान शरीफ अली इस्लामिक यूनिवर्सिटी (यूनिसा) के प्रोफेसर, कानून और कानूनी अध्ययन के विशेषज्ञ नेहालुद्दीन अहमद ने एडी साइंटिफिक इंडेक्स 2025 में सर्वोच्च मान्यता प्राप्त की है।

उन्होंने देश के 580 वैज्ञानिकों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। जबकि ब्रुनेई का प्रतिनिधित्व करने वाले एशिया के 6,85,706 वैज्ञानिकों में से पहला स्थान हासिल किया। वैश्विक स्तर पर उन्होंने कानून और कानूनी अध्ययन के क्षेत्र में 23,95,573 वैज्ञानिकों में से 44वां स्थान हासिल किया। (संवाद)